तर्ज-तुम अगर साथ देने का वादा

तेरी नज़रें क़रम हों मेरे पिया,
झूठी दुनियां की दौलत नहीं चाहिए
तेरा दर है सलामत मैं सज़दे करूं,
और किसी की इबादत नहीं चाहिए

1- सर उठाने की अब मुझमें ताकत नहीं,
तेरे चरणों में सर ये झुका ही रहे
मिल गए मालिके दो जहां अब हमें,
और कोई भी हसरत नहीं चाहिए
2- तेरे जलवों की हरदम मुझे दीद है,
दीद मिलती रहे तो मेरी ईद है
वाणी से ही मिला हमें नूर तेरा
और कोई भी जन्नत नहीं चाहिए
3- तेरी रहमत में है पिया इतना असर,
वो ही जाने मिली जिनको इश्के नज़र
वो नज़र हमको भी मिलती रहे,
और किसी की भी उलफत नहीं चाहिए

Nijanand App